भारत का विमानन संकट:
इंडिगो का प्रभुत्व, क्षेत्र की चुनौतियाँ, और आगे की राह

यूपीएससी की प्रासंगिकता:

- **सामान्य अध्ययन-3: बुनियादी ढाँचा – हवाई अड्डे, विमानन क्षेत्र**

खबरों में क्यों?

हाल ही में, **इंडिगो (IndiGo)** को एक बड़ी **परिचालन समस्या (operational breakdown)** का सामना करना पड़ा — उसकी कई उड़ानें **विलंबित** या **रद्द** हो गईं।

इस घटना ने निम्नलिखित पर बहस को फिर से शुरू कर दिया:

- कुछ ही एयरलाइनों द्वारा **अत्यधिक बाज़ार प्रभुत्व (market dominance)**।
- **कमज़ोर प्रतिस्पर्धा**।
- भारत की समग्र **विमानन प्रणाली (aviation system)** में समस्याएँ।

इस संकट ने दिखाया कि जब कुछ ही एयरलाइन्स हावी होती हैं, तो **यात्रियों को अधिक परेशानी** होती है और सिस्टम की **कमज़ोरियाँ** आसानी से सामने आ जाती हैं।

पृष्ठभूमि

- पिछले एक दशक में भारत का **विमानन क्षेत्र** बहुत तेज़ी से बढ़ा है।
- हवाई यात्रा अब विलासिता (luxury) नहीं रही — लोग इसे **आवश्यक परिवहन** के रूप में इस्तेमाल करते हैं।
- **उदाहरण:**
  - 2014 में भारत में केवल **74 हवाई अड्डे** थे, लेकिन 2024 तक यह संख्या बढ़कर **157** हो गई, जो लगभग **दोगुनी** है।
- भारत अब अमेरिका और चीन के बाद **तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाज़ार** है।

प्रमुख रुझान (Key Trends)

1. हवाई यात्रा में तेज़ वृद्धि

- भारत में प्रति वर्ष **350 मिलियन** से अधिक यात्रियों ने यात्रा की।
- नवंबर 2024 में, एक ही दिन में **5 लाख से अधिक** लोगों ने यात्रा करके **रिकॉर्ड** बनाया।
- यह कोविड के बाद क्षेत्र की **मज़बूत रिकवरी** को दर्शाता है।

2. UDAN योजना से क्षेत्रीय विस्तार

- **UDAN (उड़े देश का आम नागरिक)** योजना का लक्ष्य उड़ान को सस्ता बनाना और छोटे शहरों को जोड़ना है।
- **619** नए मार्ग शुरू हुए।
- **88** नए हवाई अड्डे/हेलीपोर्ट जोड़े गए।
- दरभंगा, झारसुगुड़ा, किशनगढ़ जैसे छोटे स्थान अब जुड़ गए हैं।

3. विमानन महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा (Critical Infrastructure)

- हवाई अड्डे अब **आवश्यक बुनियादी ढाँचे** का हिस्सा हैं, ठीक वैसे ही जैसे रेलवे या राजमार्ग।
- 10 वर्षों में हवाई अड्डों की संख्या **दोगुनी** हो गई है।

4. अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में वृद्धि

- 2024 में, **64.5 मिलियन** लोगों ने भारत से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा की।
- **एयर इंडिया** और **इंडिगो** के बड़े विमान ऑर्डर भारत को वैश्विक बाज़ार हिस्सेदारी फिर से हासिल करने में मदद कर रहे हैं।

भारत की विशाल भविष्य की संभावनाएँ

1. बड़ी आबादी + अधिक मध्यम वर्ग के यात्री

- दक्षिण एशिया में लगभग **4 अरब** लोग हैं।
- बढ़ती आय के साथ, भारत **दुबई या सिंगापुर** की तरह एक **वैश्विक पारगमन केंद्र (global transit hub)** बन सकता है।

2. विशाल रोज़गार की मांग

- बोइंग (Boeing) के अनुसार:
  - विमानों के बड़े ऑर्डर के कारण भारत को अगले 20 वर्षों में **34,000 पायलटों** और **45,000 विमान तकनीशियनों** की आवश्यकता होगी।

3. भारत को MRO केंद्र बनाना

- **MRO** का मतलब है **रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (Maintenance, Repair & Overhaul)।**
- MRO पर **GST** को 18% से घटाकर **5%** कर दिया गया है।
- **लक्ष्य:** भारतीय विमानों को मरम्मत के लिए सिंगापुर/श्रीलंका भेजने से रोकना और **पैसे बचाना।**

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra
9235313184, 9235440806

4. बड़े नए हवाई अड्डे

- **जेवर (नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा)** और **नवी मुंबई हवाई अड्डे** जैसे हवाई अड्डों में भारी निवेश किया जा रहा है।
- ये दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर **दबाव कम** करेंगे।

प्रमुख सरकारी पहल

1. विमानन को आधुनिक बनाने के लिए नए कानून

- **भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024** पुराने 1934 के कानून की जगह लेगा।
- **केप टाउन कन्वेंशन बिल, 2025** विमान पट्टेदारों (lessors) की रक्षा करता है, जिससे लीजिंग (पट्टे पर लेना) सस्ता हो जाता है।

2. 'डिजी यात्रा' का विस्तार

- कागज़ रहित प्रवेश और तेज़ चेक-इन के लिए चेहरे की पहचान (facial recognition) का उपयोग करता है।
- **24 हवाई अड्डों** पर सक्रिय, **4 करोड़ से अधिक** यात्रियों द्वारा उपयोग किया गया।

3. सुरक्षा और पर्यावरण पर ध्यान

- उड़ान रिकॉर्डर के विश्लेषण के लिए नई **प्रयोगशाला (lab)**।
- **80 हवाई अड्डे** अब **100% हरित ऊर्जा** पर चलते हैं।
- पायलट प्रशिक्षण में सुधार (उड़ान प्रशिक्षण संगठनों के लिए कोई हवाई अड्डा रॉयल्टी नहीं)।

भारत के विमानन क्षेत्र के सामने चुनौतियाँ

1. अत्यधिक बाज़ार एकाग्रता (Duopoly)

- केवल दो प्रमुख खिलाड़ी बाज़ार को नियंत्रित करते हैं:
  - **इंडिगो** बाज़ार का लगभग **62%** हिस्सा
  - **टाटा समूह** की एयरलाइंस संयुक्त रूप से लगभग **29%** हिस्सा
- इसका मतलब है **कम प्रतिस्पर्धा, अधिक कीमतें, और अधिक उपभोक्ता समस्याएँ।**

2. बहुत अधिक परिचालन लागत

- भारत में विमानन ईंधन (ATF) **अत्यधिक महंगा** है क्योंकि:
  - यह एयरलाइन के **40% खर्च** का हिस्सा है।
  - राज्य उच्च कर (1% से 29%) लगाते हैं।
- इससे भारतीय एयरलाइन्स का **लाभ कम** होता है।

3. बुनियादी ढाँचे की समस्याएँ

- दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े हवाई अड्डों पर **कोई खाली स्लॉट** (slot) नहीं है।
- एयरलाइन्स को **अजीब समय** पर उड़ान भरने या उड़ानों को **कम** करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

4. एयरलाइनों की कमज़ोर वित्तीय स्थिति

- विमानन क्षेत्र को **एयरलाइनों का कब्रिस्तान** कहा जाता है।
- **उदाहरण:**
  - **गो फर्स्ट** 2023 में बंद
  - **जेट एयरवेज** 2019
  - **किंगफिशर** 2012
- अधिकांश एयरलाइन्स कम **लाभ मार्जिन** (thin profit margins) के कारण विफल हो जाती हैं।

आगे की राह

1. प्रतिस्पर्धा का मज़बूत विनियमन

- **CCI (भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग)** को बाज़ार प्रभुत्व के दुरुपयोग को रोकना चाहिए।
- **उदाहरण:** यदि कोई बड़ी एयरलाइन **स्लॉट को जमा** करके प्रतिस्पर्धा को रोकती है, तो कार्रवाई की जानी चाहिए।

2. ATF को GST के तहत लाएँ

- इससे **ईंधन की लागत कम** होगी और टिकटों की कीमतें **अधिक स्थिर** होंगी।

3. यात्री अधिकारों की रक्षा करें

- **DGCA** को नियमों को सख्ती से लागू करना चाहिए, जैसे:
  - देरी/रद्दीकरण के लिए **स्वचालित मुआवजा**।
  - लंबी **धनवापसी** (refund) लड़ाई की आवश्यकता नहीं।

4. टियर-2 हवाई अड्डों को हब के रूप में विकसित करें

- गुवाहाटी, अहमदाबाद, लखनऊ जैसे हवाई अड्डों को **मिनी अंतर्राष्ट्रीय हब** बनना चाहिए ताकि मेट्रो शहरों पर दबाव कम हो।

5. स्थानीय विमान लीजिंग उद्योग का निर्माण

- **GIFT सिटी लीजिंग हब** को मज़बूत किया जाना चाहिए ताकि भारत विदेशी लीजिंग बाज़ारों (जैसे आयरलैंड, दुबई) पर निर्भर न रहे।

IAS-PCS Institute
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

निष्कर्ष

भारत का विमानन क्षेत्र बहुत तेज़ी से बढ़ रहा है, लेकिन इसे बड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है:

- कुछ ही हाथों में **अत्यधिक बाज़ार शक्ति।**
- **उच्च ईंधन कर।**
- **कमज़ोर बुनियादी ढाँचा।**
- **वित्तीय रूप से अस्थिर** एयरलाइन्स।

2047 तक **वैश्विक विमानन नेता** बनने के लिए, भारत को चाहिए:

- **प्रतिस्पर्धा को मज़बूत करना।**
- **करों को कम करना।**
- **यात्री अधिकारों में सुधार** करना।
- **मज़बूत विमानन बुनियादी ढाँचा** बनाना।

तभी भारत की विमानन वृद्धि **स्थिर, सुरक्षित और टिकाऊ** बन सकती है।

UPSC मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "भारत का घरेलू विमानन क्षेत्र तेज़ी से विकास कर रहा है, फिर भी इसे बाज़ार एकाग्रता (market concentration), उच्च परिचालन लागत और एयरलाइनों की कमज़ोर वित्तीय स्थिति जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय विमानन में बाज़ार प्रभुत्व से उत्पन्न होने वाले मुद्दों का **आलोचनात्मक परीक्षण** करें और **टिकाऊ विकास** सुनिश्चित करने के उपाय सुझाएँ।" (250 शब्द)

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806